हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 13 जुलाई 2025

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

06 जिले के मुखिया के जीवंत प्रयासों से आषाढ़ ...

09 शिकार करते समय घायल हुई मादा चीता नाभा की मौत

खबर संक्षेप

अयोध्या जाने वाले लेखन प्रेमियों की बैठक आज

सागर। 13 जुलाई दिन रविवार को हनुमान दुर्गा भैरव धाम परिसर स्थित श्री सीताराम नाम बैंक में 18 जुलाई को अयोध्या जी जाने वाले सभी सीताराम नाम लेकिन प्रेमियो की एक आवश्यक बैठक सायं 5 बजे से रखी गई है जिसमे अयोध्या जी जाने वाले सभी लेखन प्रेमियों की उपस्तिथी अनिवार्य है। उक्त जानकारी श्री सीताराम नाम बैंक के सह व्यवस्थापक पं ब्रजेश द्विवेदी ने दी ।

जिले में अब तक 484.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सागर। सागर जिले में इस वर्षा सीजन में अभी तक 484.5 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की गई है। जिले में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों के रिकार्ड के अनुसार एक जून से आज तक राहतगढ़ केन्द्र पर सर्वाधिक 575.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक, भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में स्थापित विभिन्न वर्षामापी केन्द्रों में एक जून से आज तक सागर केन्द्र में 422.8 मि.मी., जैसीनगर में 385.1 मि.मी., राहतगढ़ में 575.7 मि.मी., बीना में 343.8 मि.मी., खुरई में 465.2 मि.मी, मालथौन में 416.0 मि.मी., बण्डा में 528.2 मि.मी, शाहगढ में 532.8 मि.मी, गढ़ाकोटा में 530.2 मि.मी, रहली में 508.8 मि.मी, देवरी में 538.2 मि.मी. तथा केसली में 567.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर के निर्देश पर गोशाला का निरीक्षण

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा विगत दिवस अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि गौशालाओं का निरीक्षण कर जिले की मुख्य सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं को पकड़ कर उन्हें सुरक्षित रूप से गौशालाओं में रखा जाए। निर्देशों के अनुपालन में पशुपालन विभाग के जिला नोडल अधिकारी बलराम सिंह ठाकुर ने मनरेगा गोशाला रेवझा का निरीक्षण कर संचालन एवं प्रबंधन की जानकारी ली। बीमारी से बचाव के लिए एम एमडी टीकाकरण करवाने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत ढाना में सड़क पर बैठने वाले पशुओं को अन्य सुरक्षित जगह भेजने एवं जनजागरूकता अभियान चलाने के संबंध में संरपंच श्री सुरेन्द्र तिवारी से चर्चा कर पशुओं को व्यवस्थित स्थान पर भेजने एवं एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

बारिश में सावधानी अपनाएं सुरक्षित जगह पर ही रहें

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा नागरिकों से आंधी, बिजली और बारिश के दौरान सावधानी बरतने की अपील की गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि बारिश के दौरान एवं जल भराव होने की स्थिति में पुल-पुलियों और रपटों पर पानी होने पर उन्हें पैदल या वाहन से पार न करें, बिजली के उपकरणों से दूरी बनाकर रखें और जरूरी खाद्य सामग्री तैयार रखें। स्थानीय समाचार चैनल या अन्य माध्यम से जानकारी लेते रहें और बाहर जाने से बचें ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।साथ ही बारिश में पूरी सावधानी बरतें। आसमानी बिजली, आंधी-तूफान से खुद को बचाएं। ऐसी स्थिति में बाहर खुले में कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं होता है।

सड़कों से आवारा मवेशी हटाने की कार्रवाई जारी

सागर। कलेक्टर के आदेश का जिम्मेदारी पूर्वक अनुपालन किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद खुरई द्वारा नगर के मुख्य मार्गों,बाजारों आवगमन के रास्तों पर भटकते पशुओं को सुरक्षित पकड़कर गौशाला विस्थापित किया गया।बता दें कि कलेक्टर द्वारा विगत दिवस अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि समस्त सागर जिले के मुख्य मार्गों से पशुओं को प्रमुखता से हटाया जाए एवं सुरक्षित रूप से उन्हें निकटतम गौशालों, गौ संरक्षण केंद्रों आदि में विस्थापित किया जाए ।

मध्यप्रदेश के लोक कल्याण के लिए मध्यप्रदेश की सरकार संकल्पित, सुविधाओं पर दिया जा रहा ध्यान

सड़कों के गड्ढे की शिकायत मिलने के सप्ताह में नहीं हुई दूर तो संबंधित अधिकारी पर सख्त कार्रवाई : लोक निर्माण मंत्री सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

मध्यप्रदेश के लोक कल्याण के लिए मध्य प्रदेश की सरकार संकल्पित, लोक कल्याण की यात्रा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलती रहेगी, सागर के विकास की गंगा और तेज बहेगी, सड़क निर्माण में एक मीटर व्यास का पेड़ शिफ्ट होगा काटा नहीं जाएगा, लोक निर्माण विभाग लोक कल्याण सरोवर बनाने का कार्य करेगा, सड़कों के गड्ढे की शिकायत एक सप्ताह में दूर होगी नहीं तो संबंधित अधिकारी पर होगी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उक्त विचार लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सागर में उपनगर मकरोनिया से सदर को जोड़ने वाला रेलवे गेट नं. 28 पर बने रेलवे ब्रिज के लोकार्पण अवसर पर व्यक्त किए। 4309.24 लाख रुपए (रेल्वे भाग सहित) की लागत राशि से बनने वाले इस ब्रिज की कुल लंबाई लंबाई 884.78 मीटर है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने लोकार्पण करने के पश्चात कहा कि सागर का विकास और तेज गति से शुरू होगा उन्होंने कहा कि लोक कल्याण के लिए मध्य प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में कार्य करने के लिए संकल्पित है और सभी का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग के द्वारा सभी सड़कों का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के द्वारा लोक कल्याण ऐप शुरू किया गया है जिसमें लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर यदि कहीं भी गड्ढा है तो उसकी फोटो खींचकर ऐप पर अपलोड कर शिकायत की सात दिवस के अंदर गढ्ढा ठीक होगा अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों के निर्माण के समय अब यदि कोई पौधा पेड़ एक मीटर व्यास का है तो उसको काटा नहीं जाएगा बल्कि उसको शिफ्ट किया जाएगा। इसी प्रकार नई सड़कों के लिए गिट्टी मुरम के लिए कहीं भी नहीं खोदा जाएगा इसके लिए कलेक्टर की परमिशन विशेष स्थान के लिए ली जाएगी और इस प्रकार की खुदाई की जाएगी जिसमें लोक कल्याण सरोवर तैयार हो सके यह लोक कल्याण सरोवर बनने से तालाब का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार विभाग के द्वारा लोक निर्माण विभाग की सभी सड़कों की एक किलोमीटर की दूरी पर रिचार्ज फिट बनाए जाएंगे यदि एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित नहीं बनती है तो दो किलोमीटर पर और यदि 2 किलोमीटर पर नहीं बनती है तो तीन किलोमीटर पर तीन रिचार्ज पर बनाए जाएंगे जिससे सड़कों का पानी रिचार्ज पिट में जाएगा और जलस्तर बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि सागर के जनप्रतिनिधि विकास के मामले में समझौता नहीं करते हैं और लगातार प्रयास करते हैं जिससे वह सफल होते हैं और विकास होता है।

मंत्री सिंह ने कहा कि पहले भारत देश पिछड़ा देश माना जाता था किंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल से यह देश अन्य देशों की तुलना में विकसित देशों की श्रेणी में आ गया है और अब हमारा भारत देश पिछड़ा नहीं रहा। इसी प्रकार मध्य प्रदेश का विकास मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि पूरे देश में विकास देखना है तो मध्य प्रदेश में जाकर देखें उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि जब मैं पहले सागर आता था तो केवल घटिया और विश्वविद्यालय दिखाई देता था किंतु आज जब मैंने देखा कि लाखा बंजारा झील अपने सौंदर्य बिखेर रही है इसी प्रकार सागर की सड़क नए आकर और रूप ले चुकी हैं सागर का चहुमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सागर में 101 करोड रुपए की लागत से संत रविदास मंदिर का निर्माण हो रहा है जिसका भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। रविदास मंदिर तक जो फोर लाइन सड़क का आज भूमि पूजन हुआ है वह देलखंड की आदर्श सड़क होगी। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि सागर डॉक्टर हरि सिंह गौर की नगरी है और ऐसे पूरी दुनिया में जाना जाता है इसी प्रकार अब सागर का विकास भी दुनिया में जाना जाएगा। मंत्री सिंह ने कहा कि आप सभी लोक कल्याण ऐप को डाउनलोड करें और जहां भी कोई गड्ढा दिखाई दे उसकी फोटो तत्काल ऐप पर अपलोड करें यह गड्ढा सात दिवस में ठीक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के द्वारा अब डामर की गुणवत्ता के लिए स्थानीय स्तर पर खरीद नहीं जाएगा केंद्रीय एजेंसी से क्रय किया जाएगा और यह डामर खरीदी होते समय एक ओटीपी आएगी ओटीपी प्राप्त होने के बाद ट्रक पर डामर लोड होगा।

टाईपाई एशियन ओपन 2025 : सागर की यामनी ने रचा इतिहास, भारत को दिलाया रजत पदक

सागर। टाईपाई एशियन ओपन 2025 में सागर जिले की होनहार खिलाड़ी यामनी मौर्य ने भारतीय जूडो टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 किलोग्राम भार वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीतकर न केवल अपने जिले बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया। इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश जूडो संघ के सचिव नरेश टटवाले, तकनीकी चेयरमैन कुरूषदीन साह, विधायक प्रदीप लारिया, तथा मंडल अध्यक्ष सौरभ केशरवानी ने यामनी के पिता हरिओम मौर्य एवं कोच दीपक कुमार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस प्रेरणादायी सफलता से सागर जिला प्रतिभा का केंद्र बनता जा रहा है। उम्मीद है कि जिले के अन्य खिलाड़ी भी यामनी की तरह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे और भारत का नाम रोशन करेंगे।

सागर। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह ने पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के निवास पहुंच कर उनसे सौजन्य भेंट की। पूर्व गृहमंत्री, भूपेन्द्र सिंह ने पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का अपने निवास पर आत्मीय स्वागत किया।

मानव मूल्य प्रधान हैं बाल विकास की कक्षाएं इनका विस्तार करें: मीना ताई

सागर। सत्य साई सेवा संगठन की बाल विकास कक्षाओं में बच्चों को मानव मूल्य प्रधान शिक्षा दी जाती है। हर काल में बचपन को सहेजने, संवारने की जरूरत होती है। इसलिए बाबा ने वर्षों पहले बाल विकास कक्षाओं की शुरुआत कराई जो सागर में जगह-जगह निः शुल्क लगाई जा रही हैं। यह क्रम सभी समितियों में जारी रहे। यह विचार संगठन की ट्रस्टी मीना ताई पिंपलापुरे ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सिविल लाइन स्थित निलयम में व्यक्त किए। इस अवसर पर संजीवनी बाल आश्रम में चार वर्षों से बाल विकास कक्षा ले रहीं बाल विकास गुरु प्रीति चतुर्वेदी का सम्मान किया गया। प्रीति चतुर्वेदी ने कहा कि जो सीखा उसे सिखाने का अवसर मिलना जीवन में बड़ी बात है। इस अवसर पर विशेष वक्ता पीएल प्रजापति ने कहा कि हमारी प्रथम गुरु माँ है। कैकेई ने भूतकाल के वरदान मांगे और मंथरा की नीति ने भविष्य तय किया। राम वन गमन राह पर चले और मार्ग दिखाया वर्तमान गुरु वशिष्ठ ने जो तीनों कालों का समावेश भी करता है। इस मौके पर सबसे पहले वेदपाठ, सुमधुर भजन किए गए। समापन महामंगल आरती, विभूति वितरण से हुआ।इस दौरान डॉ निकिता पिंपलापुरे, डॉ देवेन्द्र मुखारया, रेखा मुखारया, बीके गुरु, करुणा गुरु, श्रीराम दुबे, जितेन्द्र यादव, अनुराग गुरु, डॉ प्रेम चतुर्वेदी, अनिल शर्मा, अंजलि शर्मा, संजीव सुहाने, राम्या श्रीराम, कीर्ति दुबे, अनमोल दुबे, कामायनी भट्ट, डॉ प्रशांत भट्ट, सुषमा भट्ट, यशा भट्ट, सविता मैत्री, सांचिका मैत्री, अंशुल भार्गव, सुरेश साहू, मालती साहू, नैंसी यादव, दीक्षा दुबे, डीपी सेन, प्रियंका विश्वकर्मा, ऋषिका विश्वकर्मा, लाल सिंह तोमर, तेजस पटेल, निशांत यादव, पार्थ यादव, राम विशाल कुशवाह, सचिन ठाकुर आदि उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापना में विलंब पर क्षत्रिय महासभा ने मंत्री राकेश सिंह को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

वीर शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप की सागर में प्रतिमा स्थापना में विलंब को लेकर जिला क्षत्रिय महासभा ने मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह को ज्ञापन सौंपा है।जिला क्षत्रिय महासभा सागर के वरिष्ठ संरक्षक, पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह एवं अध्यक्ष लखन सिंह बामोरा के नेतृत्व में सर्किट हाउस क्र 1 पहुंचे प्रतिनिधि मंडल ने पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को यह ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के गौरव एवं क्षत्रिय समाज के आराध्य वीर शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप जी की सागर में विशाल प्रतिमा की स्थापना के लिए तत्कालीन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री, वर्तमान विधायक भूपेन्द्र सिंह ने विशेष निधि से एक करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की थी। स्वीकृत राशि नगर पालिक निगम सागर को प्राप्त हो चुकी है तथा उसका स्थान भी निर्धारित हो चुका है। किन्हीं कारणों से प्रतिमा की स्थापना नहीं हो पा रही जिससे क्षत्रिय समाज में रोष व्याप्त है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि मंत्री राकेश सिंह इस विषय को गंभीरता पूर्वक लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों से इस विषय पर चर्चा कर प्रतिमा स्थापना के लिए निर्देश देने का कष्ट करें, क्षत्रिय समाज आपका आभारी रहेगा।

प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत अंतर्राष्ट्रीय विश्व विद्यालय वर्धा में विषय विषेशज्ञ मनोनीत किए

सागर। डॉ हरीसिन्ह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश के मानविकी एवं समाजविज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो दिवाकर सिंह राजपूत महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र के मानविकी एव समाजिक विज्ञान विद्यापीठ में मंडल सदस्य मनोनीत किये गये हैं। प्रो राजपूत पहले से ही महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा की संस्कृति विद्यापीठ मे भी सदस्य मनोनीत हैं। उल्लेखनीय है कि प्रो दिवाकर सिंह राजपूत मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचलप्रदेश आदि राज्यो के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानो की विभिन्न समितिओ के भी सदस्य है।

महापौर परिषद की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने छिंदवाड़ा पहुंची महापौर संगीता सुशील तिवारी

सागर। मध्य प्रदेश महापौर परिषद की बैठक छिंदवाड़ा में 12 जुलाई दिन शनिवार को आयोजित बैठक में शामिल होने सागर नगर निगम की महापौर संगीता सुशील तिवारी पहुंची। इस मौके पर महापौर परिषद के अध्यक्ष और इंदौर नगरनिगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव से सभी ने भेंट की। छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके ने सभी का स्वागत किया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य महापौर से बीजेपी नेता डा सुशील तिवारी और रिशांक तिवारी ने मुलाकात की। इस मौके पर महापौर गण मुकेश टटवाल उज्जैन, अभय मिश्रा रीवा, गीता अग्रवाल देवास, योगेश ताम्रकार सतना, जगत बहादुर सिंह जबलपुर, माधुरी पटेल, बुरहानपुर, मालती राय भोपाल, शारदा सोलंकी मुरैना आदि मौजूद रही।

छात्र एवं अभिभावक परामर्श सत्र का आयोजन

रहली। क्राइस्ट कान्वेंट स्कूल में शनिवार को छात्र एवं अभिभावक परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। दिल्ली से आए अमीषा राफेल और ज्योन शेखर ने सत्र को संबोधित करते हुए पहले दिन सभी छात्रों को बताया कि हमारे लिए अपने मां-बाप की बात मानना चाहिए हमें उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए हमें कभी अपने अभिभावकों को धोखा नहीं देना चाहिए। इसके अलावा बहुत से छात्रों के सवालों के जवाब दिए। दूसरे दिन अभिभावक परामर्श सत्र में सभी अभिभावकों को बताया गया कि हम जैसी उम्मीद अपने बच्चों से रखते हैं हमें भी वैसा बनना होगा क्योंकि हमारा बच्चा 50% स्कूल में सीखता है तो 50% हमारे घर के माहौल से सीखता है इसलिए हमें चाहिए कि हमारे घर का वातावरण हमें ऐसा बनाया रखना चाहिए जिसका असर हमारे बच्चों पर पड़े। प्राचार्या सिस्टर जांसी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे और आपके सहयोग से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है हमें अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों पर ध्यान रखना चाहिए जैसे हमारा बच्चा फोन का उपयोग कितना कर रहा है, किन दोस्तों से बात कर रहा है इत्यादि। इस सत्र में मैनेजर सिस्टर सुधा, सिस्टर विन्सी, सिस्टर रोजली, कृपाशंकर दुबे सहित समस्त स्टाफ तथा सभी बच्चों के अभिभावक गण उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्या सिस्टर जांसी ने सभी का आभार माना।

विद्यालय की छात्रा प्रमुख के रूप में शिवा पाठक 12वीं विज्ञान संकाय की गईं चयनित

ग्रेटमेन इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद का हुआ गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

ग्रेटमेन इंटरनेशनल स्कूल में 12 जुलाई को विद्यालय की छात्र परिषद 2025 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सरोज गुप्ता प्राचार्या आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज सागर एवं डॉक्टर नीना गिडियन उपस्थित रहीं । कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथिद्वय, विद्यालय की चेयरपर्सन पारुल साहू 'केशरी', प्राचार्या लिज़ी लुईस के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। विद्यालय की छात्रा प्रमुख शिवा पाठक के द्वारा प्रार्थना प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात छात्राओं द्वारा शिवकारा डमरू का... गीत पर एक बहुत ही सुंदर मनमोहक प्रार्थना नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को चार समूहों आर्यभट्ट समूह बुद्ध समूह चाणक्य समूह एवं धनवंतरि समूह में विभाजित किया गया। विद्यालय की छात्रा प्रमुख के रूप में शिवा पाठक 12वीं विज्ञान संकाय का चयन किया गया। आर्यभट्ट समूह अध्यक्ष वंश सराफ 12वीं वाणिज्य संकाय, सेक्रेटरी अनन्या रोहितास 11वीं कला संकाय बुद्ध समूह अध्यक्ष, पुष्कर पटेल 12वीं वाणिज्य संकाय सेक्रेटरी, अनुष्का सिंघई 11वीं वाणिज्य संकाय, चाणक्य समूह अध्यक्ष वेदिका पांडे 12वीं कला संकाय, सेक्रेटरी शौर्य चौरसिया 11वीं विज्ञान संकाय धन्वंतरि समूह अध्यक्ष आयुष बौद्ध 12वीं विज्ञान संकाय सेक्रेटरी आभ्या यादव 11वीं विज्ञान संकाय, ऑक्सफोर्ड क्लब अध्यक्ष रिषिका सोनी 12वीं विज्ञान संकाय नालंदा, क्लब अध्यक्ष रिद्धिमा सिंह चौधरी 12वीं विज्ञान संकाय, ओजोन क्लब अध्यक्ष श्रद्धा राजपूत 12वीं कला संकाय, विबग्योर क्लब अध्यक्ष अनन्या बुंदेला 12वीं विज्ञान संकाय,

जूनियर सीनेट में छात्रा प्रमुख तनुश्री तिवारी पांचवी, आर्यभट्ट समूह अध्यक्ष सूरज शर्मा पांचवीं, सेक्रेटरी आसी विश्वकर्मा पांचवीं , बुद्ध समूह अध्यक्ष तमन्ना यादव पांचवी, सेक्रेटरी विवान रजक पांचवीं स चाणक्य समूह अध्यक्ष अंशिका दांगी पांचवी, सेक्रेटरी आराध्या चौरसिया पांचवी, धनवंतरि समूह अध्यक्ष श्रेष्ठा जैन पांचवी, सेक्रेटरी हिमालया चौरसिया पांचवी, ऑक्सफोर्ड क्लब अध्यक्ष आकर्षा गौर पांचवीं ब नालंदा क्लब अध्यक्ष वरेण्यम् पटेल पांचवी, ओजोन क्लब अध्यक्ष प्रियंवदा सिंह दांगी पांचवी, बिवग्योर क्लब अध्यक्ष अर्हन जैन पांचवी, ने छात्र परिषद के सदस्यों के रूप में संस्था की भलाई, विद्यार्थियों के हित एवं अनुशासन पूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए पूर्ण कर्त्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली।

जूनियर एवं सीनियर छात्र परिषद का परिचय कराते हुए सीनियर छात्र परिषद सदस्यों को विशिष्ट अतिथिद्वय, चेयरपर्सन मेम एवं प्राचार्या महोदया द्वारा ब्लेजर एवं जूनियर छात्र परिषद सदस्यों को सैशे एवं बैज प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त विद्यालय में चार क्लब संचालित हैं जो समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों को संचालित करते हैं।ऑक्सफोर्ड क्लब जो अंग्रेजी विषय से संबंधित साहित्यिक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं को आयोजित करता है।नालंदा क्लब हिंदी विषय से संबंधित गतिविधियों एवं प्रतियोगिताएं आयोजित करता है। ओजोन क्लब द्वारा लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रखने हेतु तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने की जागरूकता के लिए समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

नोटरी पब्लिक अधिकारी संघ जिला सागर के अध्यक्ष चुने गए राजेंद्र दुबे

सागर । नोटरी पब्लिक अधिकारी संघ जिला सागर की महत्वपूर्ण बैठक जिला न्यायालय परिसर सागर पुस्तकालय भवन में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष नोटरी जितेंद्रसिंह ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र दुबे को नोटरी पब्लिक अधिकारी संघ जिला सागर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया । तत्पश्चात सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमें नोटरियल टिकट सहित 100 प्रत्येक शपथ पत्र की फीस सहित अन्य दस्तावेजों के प्रमाणीकरण का चार्ट नोटरी अधिवक्ता अपनी सीट पर लगाएंगे एवं स्टांप वेंडर, फोटोकॉपी एवं ऑनलाइन कार्य करने वाले दुकानों पर प्रत्येक कार्य का शुल्क सहित चार्ट अपनी सीट एवं दुकान पर लगाएंगे, राज्य शासन एवं केंद्र शासन द्वारा नियुक्त किए गए नोटरी अधिवक्ता अपने-अपने क्षेत्राधिकार में ही नोटरी कार्य करेंगे एवं अवैधानिक रूप से नोटरी का कार्य करने वालो के विरुद्ध नोटरी पब्लिक अधिकारी संघ के माध्यम से कार्यवाही की जायेगी । नोटरी पब्लिक अधिकारी संघ की आगामी बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा । बैठक में प्रमुख रूप से वरिष्ठ नोटरी लखनलाल राठौर, गुलाम रसूल खान अनंतप्रकाश सरखर,राजेश मिश्रा उपस्थित रहे।

जिले में मानसून चरम पर, अब तक 65% बारिश पूरी, खरीफ फसलों की बुआई तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

मानसून इस बार टीकमगढ़ में पूरी ताकत से डटा हुआ है। बीते 24 घंटे से लगातार बारिश का जो सिलसिला चला, उसने जिले को भिगो कर रख दिया है। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे से रफ्तार और तेज हो गई, और दिनभर की झड़ी ने जिले में औसतन 74.01 मिमी यानी लगभग 2.9 इंच वर्षा दर्ज कराई है।

सबसे अधिक असर पलेरा तहसील में देखा गया, जहां बीते 24 घंटे में 120 मिमी यानी लगभग 5 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके बाद टीकमगढ़ में 96 मिमी, लिधौरा में 75, बल्देवगढ़ में 71, मोहनगढ़ में 70, बड़ागांव धसान में 66, खरगापुर में 53 और जतारा में 42 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बरसात का ये दौर केवल आकंड़ों में नहीं, बल्कि जमीन पर नमी, हवा में ठंडक और चेहरों पर राहत के रूप में भी नज़र आ रहा है। खेतों की मिट्टी भीगकर तैयार है, और किसान बुआई की गति बढ़ा चुके हैं।

65% बारिश का आंकड़ा पार, पिछले साल से 15 इंच आगे

इस वर्ष 1 जून से लेकर 11 जुलाई तक जिले में कुल 649.4 मिमी यानी करीब 25.6 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। यह कुल वार्षिक औसत (1000 मिमी या 40 इंच) का लगभग 65 प्रतिशत है ह्न और ये आंकड़ा अपने आप में दर्शाता है कि मानसून ने इस बार टीकमगढ़ को नजरअंदाज नहीं किया।

पिछले वर्ष की तुलना करें तो इस बार 15 इंच अधिक बारिश हो चुकी है। 11 जुलाई 2024 तक जहां केवल 240.8 मिमी (9.5 इंच) वर्षा हुई थी, वहीं इस साल अब तक का आंकड़ा सीधे 649.4 मिमी तक जा पहुंचा है। यह बढ़त खेती के लिहाज से अनमोल है।

तहसीलवार बारिश के आंकड़े, अब खेतों में उम्मीदें लहराने लगीं

जिले की आठों तहसीलों में बारिश ने नया संतुलन बनाया है। अब तक की कुल वर्षा में पलेरा और टीकमगढ़ तहसीलें सबसे आगे हैं। पलेरा में 894 मिमी और टीकमगढ़ में 891 मिमी बारिश हो चुकी है। मोहनगढ़ में 723, खरगापुर में 591, बल्देवगढ़ में 584, लिधौरा में 554, जतारा में 499 और बड़ागांव धसान में 459 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इस आंकड़े से साफ है कि जिले का कोई क्षेत्र अब मानसून से वंचित नहीं है। सभी तहसीलों में जल संचय की स्थिति भी बन रही है।

ठंडी हवाओं से राहत, तापमान में गिरावट

बारिश के चलते जिले में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। दिन का अधिकतम तापमान अब घटकर 30.5 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भीषण गर्मी से जूझ रहे नागरिकों को अब सुकून और राहत महसूस हो रही है।

खरीफ फसलों को मिला वरदान

लगातार हो रही वर्षा से खेतों में नमी पर्याप्त मात्रा में पहुंच चुकी है। किसानों के चेहरे पर उम्मीद की रेखाएं साफ झलकने लगी हैं। अधिकांश गांवों में सोयाबीन, उड़द, तिल और अरहर जैसी खरीफ फसलों की बुआई तेज़ी से हो रही है। जल स्रोतों के भरने के साथ ही अब सिंचाई की चिंता भी कम हुई है।

हल्की बारिश के दौरान भी शहर की लाइफ लाइन का शहरवासी कर रहे दीदार

जिले के मुखिया के जीवंत प्रयासों से आषाढ़ में ही भरा बड़ा तालाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

शहर की जलसंरचना की लाइफ लाइन कहे जाने वाले ऐतिहासिक महेंद्र सागर तालाब को जिले के मुखिया कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के जीवंत प्रयासों के चलते कई वर्षों बाद लबालब भरा हुआ देखकर शहर वासियों की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। पानी से लबालब भरे खूबसूरत महेंद्र सागर तालाब का दीदार करने के लिए आतुर शहरवासी बारिश के दौरान भी तालाब पर पहुंच रहे हैं और वीडियो व फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर कर अपनी ख़ुशी का इजहार कर रहे हैं। साथ ही कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय व जिला प्रशासन का आभार भी व्यक्त कर रहे हैं। क्यूंकि उन्ही के प्रयासों के चलते ये खूबसूरत नजारा देखने को मिला है।

बारिश के शुरूआती माह में ही भरा तालाब

नगर का ऐतिहासिक महेंद्र सागर तालाब कई वर्षों बाद अपने उफान पर है और बो भी बारिश के शुरूआती माह आषाड़ में ही। अभी बारिश के कुछ माह बाकी है। यह कार्य कलेक्टर श्रोत्रिय व जिला प्रशासन के अथक प्रयासों के चलते संभव हुआ है। क्यूंकि कलेक्टर श्रोत्रिय ने नपा सीएमओ ओमपाल सिँह भदौरिया एबं एसडीएम लोकेन्द्र सिँह सरल व तहसीलदार अरविन्द यादव के साथ मिलकर महेंद्र सागर तालाब की पठा व बंडा नहर को पुनर्जीवित कराया। जिससे बारिश का पानी बर्बाद होकर बहने के बजाय उसकी आबक सीधे तालाब में हुई।

पठा व बंडा नहर को पुनर्जीवित करने से मिली ये मनमोहक सफलता

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय द्वारा वारिश के पूर्व भीषण गर्मी में स्वयं निरीक्षण कर बंडा नहर व पठा नहर को पुनर्जीवित करने का कार्य कराया। नहर पर किये गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाकर नहर को उसके प्राचीन रूप अनुसार चौड़ा किया गया। उक्त नहर को व्यवस्थित एवं सुरक्षित किये जाने के लिए भी निर्माण कार्य किया गया। जिससे नगर की प्राचीन जलसंरचना पुनर्जीवित हो गईं और बारिश के दौरान पानी बर्बाद होकर बहने के बजाए सीधे तालाबों में पहुँचने लगा।

कलेक्टर की बात हुई शत प्रतिशत से अधिक सच साबित

लबालब भरे हुए महेंद्र सागर तालाब को देखकर कलेक्टर श्रोत्रिय ने अपने अधिकारियों के साथ तालाब का निरिक्षण किया और फिर सोशल मीडिया पर लिखा कि विगत 22 अप्रैल को मैंने लिखा था कि तालाबों को जोड़ने वाली चैनल को पुनर्जीवित करने के प्रयास से यदि प्रतापेश्वर महादेव की कृपा रही तो इस वर्ष शहर के चारों तालाब भरेंगे। लेकिन किसी को ये अंदाजा नहीं था कि प्रभु ऐसी की कृपा ऐसी होगी कि 11 जुलाई तक ही सभी तालाब भर जायेंगे। कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि महेंद्र सागर तालाब के बाद ग्राम माडूमर में दौरा किया और पुनर्जीवित पानी चैनल से महेंद्र सागर तालाब भर जाने के बाद पानी को पुराने पानी चैनल के माध्यम से जमडार नदी में डाइवर्ट करने का निर्णय लिया। बारिश के बाद यहां एक गेटेड संरचना बनाई जाएगी। जिससे अगले वर्ष आवश्यकतानुसार पानी को महेन्द्रसागर व जमडार में भेजा जा सकेगा।

सीएम के बाद अब प्रकृति ने भी दिया सम्मान

कलेक्टर श्रोत्रिय सहित जिला प्रशासन के अथक प्रयासों से जिले की जलसंरचनाओं को पुनर्जीवित करने संबंधी मेहनती व उत्कृष्ट कार्य को लेकर मुख्यमंत्री के बाद अब प्रकृति ने भी सम्मान देते हुए कलेक्टर श्रोत्रिय व नपा सीएमओ भदौरिया के प्रयासों को सफल कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 30 जून को जिला खंडवा में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह एवं वाटरशेड सम्मेलन कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय एबं नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया को सम्मानित भी किया जा चुका है। यह सम्मान एक लाख से कम आबादी वाले निकाय के अंतर्गत खेत तालाब निर्माण, पेयजल कूप पुर्नभरण, हेण्डपंप एवं बोरवेल रिचार्ज, कपिलधारा पुर्नभरण, पुरानी बावड़ियों के जीर्णोद्धार, भू-जल संवर्धन और संरक्षण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप प्रदान किया गया था। जिसका जीवंत प्रमाण आज लबालब भरे हुए महेंद्र सागर तालाब के रूप में देखने को मिल रहा है। साथ ही लगभग 20 साल बाद महेंद्र सागर तालाब के ओवरफ्लो पानी को शहर के वृंदावन तालाब तक ले जाने के लिए करीब 2.2 किलो मीटर लंबी बंडा नाला नहर की साफ-सफाई कराई गई तथा गृह-स्वामियों की सहमति से नाले पर किए गए अतिक्रमण को भी हटवाया गया, जिससे शहर के तालाबों का बारिश में पुर्नभरण हो सका।

स्वेद का अर्पण इस बार भी नहीं दुकराया धरती ने

स्वेद का अर्पण का अर्थ है, मेहनत कर पसीना निकालना। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने बिगत एक मई को अपनी फेसबुक आईडी पर पठा नहर को पुनर्जीवित करने के प्रयास में कड़ी धूप व भीषण गर्मी में लगे मजदूरों की फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि ह्नस्वेद का अर्पण धरती कभी ठुकराती नहीं है। महेंद्र सागर हो या उसको जोड़ने वाला पठा और माडूमर के पानी चैनल। लुप्त हो चुके पानी के इस चैनल को पुनर्जीवत करने में हम प्रयासरत हैं। हमेशा से श्रमिकों का पसीना ही जल कण बन संचित हुआ है। और इस बार भी होगा। कलेक्टर श्रोत्रिय ने लिखा कि इतिहास केवल किले और महलों का नहीं होता बल्कि जलीय संरचनाओं का भी होता है। जिले में सैकड़ों चंदेल कालीन और बुंदेला तालाब है। शहर ऐसे ही 4 उत्कृष्ट जल प्रबंधन युक्त तालाबों से घिरा हुआ है। जिसमें पठा का तालाब जब भर जाता है तो पानी महेंद्र सागर में आता है। महेंद्र सागर तालाब भरने के बाद बंडा नहर के माध्यम से पानी वृंदावन सागर को भरता है। वृंदावन सागर भरने के बाद पानी हनुमान सागर पहुंचता है। एक तालाब से दूसरे तलाब को जोड़ने वाले ये अद्भुत चैनल जो सिंचाई विभाग के नक्शे में भी दिखते हैं , सिल्टिंग और अतिक्रमण के कारण मौके पर विलुप्त हो गये हैं। जिन्हे पुनर्जीवित किया जाएगा। और फिर कलेक्टर श्रोत्रिय ने नपा सीएमओ भदौरिया व एसडीएम लोकेन्द्र को साथ लेकर उक्त मुश्किल कार्य पूर्ण भी किया। जिसके सुखद फलस्वरूप शहर के तालाब बरसात के शुरुआती माह में ही भर गए।

शहर की लाइफ लाइन का रोचक इतिहास

महाराजा प्रताप सिंह ने सन 1887 ई. में पहाड़ी के दक्षिणी अंचल की नीची भूमि पर चूना-पत्थर की एक किलोमीटर लम्बी पट्टी का बांध बनाकर उसमें सुन्दर स्नान घाट-सीढ़ियां बनवाकर पक्की पट्टी के पीछे मिट्टी का चौड़ा बाँध तैयार करवाकर प्रताप सागर तालाब बनवा दिया था। इसी प्रताप सागर तालाब को आज लोग महेन्द्र सागर कहते हैं। महेन्द्र सागर तालाब के उत्तरी अंचल में अनूठा महिला स्नान घाट, देवी मन्दिर, चित्रगुप्त मन्दिर, प्रतापेश्वर महादेव मन्दिर, नायकों का मन्दिर, तालकोटी, हनुमान मन्दिर, बजाज की बगिया का मन्दिर है। तालाब के पीछे परमार परिवार का मकबरा है जिससे संलग्न महाराजा प्रताप सिंह का सैरगाह महेन्द्र बाग है जो अति सुन्दर बगीचा है। महेन्द्र बाग के दक्षिण में सलूस के पीछे गऊ घाट नामक स्थान है जिसमें जल भरा रहता था। इसमें गायें और अन्य पशु पानी पीते रहते थे। महाराजा प्रताप सिंह ने पुरानी टेहरी के मध्य से किला को घेरते हुए एक गहरी एवं चौड़ी पत्थरों से युक्त बंडा नहर बनवाई थी, जो जानकीबाग बगीचे को पानी देती थी तथा वृन्दावन तालाब को भरा करती थी। प्रताप सागर तालाब का उबेला पूर्व की ओर है जिसमें से तालाब का अतिरिक्त पानी निकलकर अन्य तालाबों को भरता था। महाराजा प्रताप सिंह के समय महेंद्र तालाब पर रामलीला का मंचन भव्य रूप से किया जाता था। रामलीला में लंका के दृश्य मंचन के लिये तालाब के अन्दर एक कोठी बनवाई थी जिसे लंका नाम दिया गया था। इसी लंका कोठी के पास एक विभीषण बाटिका भी बनवाई गई थी।

सिस्टम को झटका, कॉलोनाइजर भागे, जनता अब भी बेहाल

अब नहीं बिकेगी जमीन की बेइमानी : 63 अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन का हथौड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

कहने को तो शहर बस रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि टीकमगढ़ के कई मोहल्ले अब भी सुविधाओं को तरस रहे हैं। न नाले की योजना, न सड़क का नामोनिशान, और पीने का पानी भी आसमान ताकता है। क्योंकि यह कॉलोनियां कागजों में हैं ही नहीं। टीकमगढ़ में खेतों को काटकर बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों पर अब प्रशासन ने तगड़ा शिकंजा कस दिया है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने शहर की 63 अनधिकृत कॉलोनियों में भूमि के बिक्री, रजिस्ट्री, नामांतरण और डायवर्सन पर पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया है।

कौन हैं दोषी?

इन कॉलोनियों को प्लॉटिंग करने वालों ने न तो नगर पालिका से अनुमति ली, न ही लेआउट स्वीकृत कराए। अधिकांश ने ग्राम निवेश अधिनियम 1973 और मप्र नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 की खुली धज्जियां उड़ाईं।

क्या है असर?

63 कॉलोनियों में अब कोई जमीन नहीं बिकेगी। रजिस्ट्री ऑफिस को साफ हिदायत दी की किसी भी रूपांतरण को मंजूरी न दी जाए। तहसीलदार को भी नामांतरण से मना किया गया। नगर पालिका को नोटिस हर संदिग्ध कॉलोनी की रिपोर्ट सौंपे। क्या हुआ अब तक? अधिकांश कॉलोनाइजर मोटा मुनाफा कूटकर निकल चुके हैं। कॉलोनी बसी, मकान भी बन गए, लेकिन न सड़क बनी, न पानी आया, न बिजली की व्यवस्था। अब इन कॉलोनियों में रहने वाले लोग बुनियादी हक से वंचित हैं और सिस्टम का कोई ठोस जवाब नहीं।

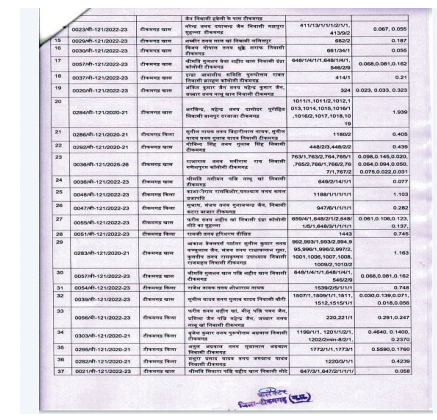

मामला पहुंचा प्रदेश स्तर तक

शहर के इस भू-माफिया मामले की गूंज अब प्रदेश स्तर तक पहुंच चुकी है। कुछ कॉलोनाइजर प्रभारी मंत्री के पास भी पहुँचे हैं। लेकिन प्रशासन अब रुकने को तैयार नहीं।

प्रशासन का कड़ा संदेशः अब नहीं चलेगा जमीन का अवैधधंधा

यह कार्रवाई सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि उन सभी कॉलोनाइजरों के लिए सीधी चुनौती है जो बिना नियम, बिना जिम्मेदारी, और बिना जमीर के लोगों को घर बेच रहे हैं।

अब सवाल जनता का जो कॉलोनियां बस गईं, उनका क्या?

यह मुद्दा अब सिर्फ अवैध प्लॉटिंग का नहीं, बल्कि उन हजारों लोगों के भविष्य का है जो अपने सपनों का घर बना चुके हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर अब भी अंधेरे में हैं।

कुंडेश्वर में हादसा, प्रशासन की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी

गिर गईं कुंड में पलक, लेकिन हिम्मत व तंत्र दोनों खड़े थे साथ!

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

कुंडेश्वर स्थित प्रसिद्ध पवित्र कुंड में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब दर्शन हेतु आईं टीकमगढ़ निवासी किन्नर समाज की सदस्य पलक गुरु नीतू किन्नर का अचानक पैर फिसल गया और वे सीधे गहरे कुंड में गिर गईं। सौभाग्यवश पलक को तैरना आता था, इसलिए वे खुद को संभालते हुए कुंड के बीच स्थित एक टापू तक तैरकर पहुंच गईं। हालांकि, कुंड के गहरे और फिसलन भरे पानी में वापस लौटना उनके लिए संभव नहीं था।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही टीकमगढ़ पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल एसडीआरएफ

की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर तेजी से मोर्चा संभाला। एक सुनियोजित और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें कुछ ही समय में पलक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि पलक को किसी प्रकार की शारीरिक चोट नहीं आई है और वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। पलक अपने दो अन्य साथियों के साथ छतरपुर से कुंडेश्वर मंदिर में भगवान कुंडेश्वर महादेव के दर्शन करने आई थीं। यह हादसा दोपहर करीब 12 बजे के आसपास का है, जब दर्शन के बाद वे कुंड की सीढ़ियों पर पहुंचीं और अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया।

इस घटना ने प्रशासन की तत्परता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को एक बार फिर प्रमाणित किया है। पुलिस और एसडीआरएफ टीम की समय पर कार्रवाई से एक बड़ी जनहानि टल गई। रेस्क्यू ऑपरेशन देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक एकत्रित हो गए थे। मौके की नजाकत को देखते हुए पुलिस ने तत्काल भीड़ को नियंत्रित किया और स्थिति को संभाला।

प्रतिवर्ष बारिश में डूब जाता है वार्ड क्रमांक 11

लापरवाही का शिकार नालियों ने फिर छोड़ा साथ, बनी जलभराव की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

बारिश जहां किसानों के लिए संजीवनी बनकर आई है, वहीं पलेरा नगर के वार्ड क्रमांक 11 के लोगों के लिए यह हर साल की त्रासदी बन गई है। बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश ने इस वार्ड की पोल खोलकर रख दी है। गलियों से लेकर घरों के अंदर तक पानी भर गया है। इस जलभराव ने न केवल जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, बल्कि लोगों को एक बार फिर अपनी अनदेखी पर खामोश चीखने को मजबूर कर दिया है।

वार्ड नंबर 11 की सड़कों पर अब गड्ढे नहीं, बल्कि पानी की नालियों जैसी धारा बह रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, हर साल यही समस्या होती है, लेकिन नगर परिषद के कानों तक यह शिकायत नहीं पहुंचती। क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात का पानी सीधे लोगों के घरों में घुस रहा है। कई घरों में फर्श तक भीग गए हैं, बिस्तर, खाद्य सामग्री और जरूरी सामान खराब हो चुका है। बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी कठिन हो गई है। फिसलन, बिजली की अनियमितता और लगातार गीले माहौल के कारण घरों में रहना भी अब खतरे से खाली नहीं। कुछ जगहों पर बिजली के तार पानी में डूब गए हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट का डर बना हुआ है।

पुलिस का अलर्ट अभियान शुरू, नदी किनारे व संवेदनशील क्षेत्रों में दी जा रही सुरक्षा की जानकारी

संभावित मानसूनी खतरे से पहले पुलिस कर रही जनसंवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में सक्रिय मानसून के साथ ही संभावित बाढ़ और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में जिलेभर में जनजागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। इस अभियान के तहत पुलिस टीमें बाढ़ संभावित गांवों, नदी किनारे बसे इलाकों और पुराने आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में जाकर नागरिकों को न केवल संभावित खतरों से सावधान कर रही हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षा उपायों की भी विस्तार से जानकारी दे रही है।

टीकमगढ़ पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है सिर्फ हादसे के बाद नहीं, अब पहले से तैयारी ही सुरक्षा है। जिले के सभी थानों और चौकियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में पुराने बाढ़ प्रभावित बिंदुओं की पहचान करें और वहां रह रहे लोगों से लगातार संवाद करें। यही नहीं, प्रतिदिन

जनसंवाद शिविरों के माध्यम से आमजन तक जरूरी बातें पहुँचाई जा रही हैं।

धसान किनारे सावधानी का संदेश

धसान नदी के किनारे बसे गांवों में पुलिस ने विशेष शिविर लगाए, जहां लोगों को बताया गया कि भारी बारिश की स्थिति में कैसे सतर्क रहना है। नदियों, नालों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहना, बच्चों को गड्ढों और बहाव वाली जगहों पर न जाने देना, पुराने और कमजोर मकानों में शरण न लेना, बिजली के खुले तारों से सावधानी बरतना ये सब बातें लोगों तक सरल भाषा में पहुंचाई गईं। जनता से यह भी अपील की गई कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय थाने या पुलिस को सूचित करें। समय पर दी गई जानकारी बड़े खतरे को टाल सकती है। पुलिस द्वारा इस अभियान को लेकर पूरी गंभीरता बरती जा रही है और हर क्षेत्र में गश्त एवं निगरानी भी बढ़ाई जा रही है।

जोखिम वाले ढांचों की पहचान पुलिस बना रही खतरे की मैपिंग

जनसंवाद के दौरान कई इलाकों में जर्जर भवन, झुके हुए पेड़, कमजोर दीवारें और अस्थायी ढांचों को चिह्नित किया गया। इन्हें खतरे के बिंदु मानते हुए, इन पर नजर रखी जा रही है। थाना स्तर पर कंट्रोल रूम की तैयारी और फील्ड टीम की सक्रियता अब यह संकेत दे रही है कि प्रशासन केवल स्थिति को संभालने के लिए नहीं, उसे रोकने के लिए काम कर रहा है।

जनता में भरोसा, पुलिस की मौजूदगी से बढ़ा आत्मविश्वास

जिन इलाकों में हर साल पानी भरता है या जहां डर बना रहता है, वहां अब पुलिस की टीमों की सक्रियता से लोगों में भरोसा जागा है। इस बार केवल पानी नहीं, सुरक्षा की समझ और बचाव की रणनीति भी साथ आई है। पुलिस का यह मानना है कि यदि लोग सतर्क रहें और एक-दूसरे को जानकारी साझा करें, तो बड़ी आपदा को भी टाला जा सकता है।

पिछले एक सप्ताह से किया जा रहा था जख्मी मादा चीता का इलाज

शिकार करते समय घायल हुई मादा चीता नाभा की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कूनो राष्ट्रीय उद्यान से दुखद खबर यह आई है कि नामीबिया से लाई गई आठ वर्षीय मादा चीता 'नाभा' की शनिवार को दौरान ए इलाज मौत हो गई। कूनो प्रबंधन के अनुसार, मादा चीता एक सप्ताह पहले अपने सॉफ्ट रिलीज बोमा में शिकार के प्रयास के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसके बाद उसका लगातार इलाज चल रहा था।

शनिवार को कूनो प्रशासन ने मादा चीता के मरने की पुष्टि कर दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नाभा को बाईं ओर अल्ना और फिबुला हड्डियों में फ्रैक्चर के साथ कई अन्य गंभीर चोटें आई थीं। अनुमान लगाया गया है कि ये चोटें शिकार के दौरान तेज दौड़ या झटके की वजह से आई होंगी। घायल होने के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए विशेष निगरानी में रखा गया और एक सप्ताह तक उसका इलाज चला, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ और शनिवार की उसकी मौत हो गई। हालांकि मादा चीता की मौत का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलेगा लेकिन कूनो प्रशासन ने उसकी मौत का प्रारंभिक कारण गंभीर चोट लगना ही बताया है। डीएफओ आर थिरूकुरल ने बताया कि मादा चीता नाभा की मौत इलाज के दौरान हो गई है। यह मादा चीता एक सप्ताह पूर्व शिकार के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसे भरसक प्रयास के बाद भी बचाया नहीं जा सका।

कूनो में अब 26 गांधीसगर में दो चीते, स्वस्थ और सक्रिय

नाभा की मौत के बावजूद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फिलहाल 26 चीते जीवित हैं, जिनमें नौ वयस्क चीते (छह मादा और तीन नर) और भारत में जन्मे 17 शावक शामिल हैं। कूनो प्रशासन के अनुसार सभी चीते स्वस्थ हैं और अच्छा शिकार कर रहे हैं। इन 26 चीतों में से 16 चीते जंगल में विचरण कर रहे हैं, जिनका व्यवहार और अनुकूलन संतोषजनक बताया गया है। दो मादा चीता वीरा और निरवा अपने हाल ही में जन्मे शावकों के साथ स्वस्थ हैं और स्वाभाविक व्यवहार प्रदर्शित कर रही हैं। इसके अलावा गांधीसागर में भेजे गए दो नर चीते भी अच्छी स्थिति में हैं और उनकी निगरानी की जा रही है।

कूनो में कब कब हुई चीतों की मौत

26 मार्च 2023 साशा की मौत
23 अप्रैल 2023 नर चीता उदय की मौत
9 मई 2023 मादा चीता दक्षा की मेटिंग के दौरान मौत
23 मई 2023 ज्वाला के एक शावक की मौत
25 मई 2023 ज्वाला के दो और शावकों की मौत
11 जुलाई 2023 आपसी संघर्ष में नर चीता तेजस की मौत
14 जुलाई 2023 आपसी संघर्ष में नर चीता सूरज की मौत
02 अगस्त 2023 इंफेक्शन से मादा चीता धात्री की मौत
16 जनवरी को 2024 को चीता शोर्य की मौत
16 जनवरी 2024 : नर चीता शौर्य की मौत.
- 22 जनवरी 2024 : ज्वाला ने 4 शावकों को जन्म दिया.
- 10 मार्च 2024 : चीता गामिनी ने 6 शावकों को जन्म दिया.
- 04 जून 2024 : मादा चीता गामिनी का शावक मृत मिला.
- 05 अगस्त 2024 : मादा चीता गामिनी के एक और शावक की मौत.
- 27 अगस्त 2024 : नामीबिया से लाए गए चीते पवन की मौत.
- 12 जुलाई 2025 को मादा चीता नाभा की मौत

सरकारी स्कूल के हाल बेहाल, डीईओ और बीईओ से की शिकायत

विद्यार्थी सड़क पर और महिला शिक्षक घरों पर जा रही टॉयलेट करने

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शौचालय का नहीं मिला चार्ज, इसलिए डला है ताला

हास्यासपद बात यह है कि इस स्कूल में राज्य शिक्षा केंद्र ने सर्व सुविधा युक्त शौचालय बनाया हुआ है लेकिन इस शौचालय में हमेशा ताला डला रहता है, जब महिला स्टॉफ हैडमास्टर से ताला खोलने की बात बोलता है तो हैडमास्टर यह कहकर पल्ला झाड लेता है कि जब मुझे चार्ज मिला था तब इस शौचालय में ताला डला हुआ था, पूर्व के शाला प्रभारी ने मुझे चाबी नहीं दी है, इसलिए में ताले को नहीं तोड सकता हूं, क्योंकि पूर्व का शाला प्रभारी मेरे उपर कोई भी आरोप लगा सकता है;

सरकारी स्कूलों में छात्र और छात्राओं की लिए अलग अलग शौचालयों की व्यवस्था जिले के शत प्रतिशत स्कूलों में मुहैया करा देने की पोल जिला मुख्यालय पर ही खुल रही है वैसे तो जिले के कई स्कूलों के शौचालय जर्जर होकर उपयोग लायक नहीं है इनमें से एक स्कूल एमएस उर्दू गांधी किला रोड में पुराने शौचालय जर्जर होकर गंदगी से भरे पडे हैं न तो इनका मेंटेनेंस हो रहा है न ही साफ सफाई कराई जा रही है राज्य शिक्षा केंद्र ने जो नया शौचालय बनाया है उसमें स्कूल प्रबंधन ने न जाने क्यों ताला डाला हुआ है, जिससे स्कूल में पढने वाले छात्र छात्राएं स्कूल के बाहर खुले में सडक पर टॉयलेट करते दिखाई पड रहे हैं वहीं स्कूल का महिला स्टाफ बस्ति के घरों में टॉयलेट जाने को मजबूर बना हुआ है, इसकी शिकायत स्कूल के महिला स्टॉफ ने डीईओ और बीईओ को आवेदन देकर की है

जिला शिक्षा अधिकारी एमएल गर्ग एवं खंड शिक्षा अधिकारी मधु शर्मा को स्कूल के महिला स्टॉफ द्वारा दिए गए आवेदन में उल्लेख है कि उनके विद्यालय में जो शौचालय पुराने बने हुए है उनके गेट टूटू हुए है, जिनके भीतर महिलाएं नहीं जा सकती है, साथ ही यह शौचालय बेहद गंदे भी हैं कई वर्षो से इनकी सफाई नहीं हुई है, शाला प्रभारी से जब इस संबंध में कहते हैं तो वे यह कहते हुए पल्ला झाड लेते हैं कि मुझे सरकार सफाई और मेंटेनेंस का पैसा नही देती है आप मुझे दिला दो में आपके लिए व्यवस्था कर दूंगा, महिला स्टॉफ ने आरोप लगाया कि शाला प्रभारी उन्हें पुराने खुले भवन में टॉयलेट करने को बोलते है जहां पुरुष शिक्षक टॉयलेट करते हैं इस स्थान पर महिला स्टॉफ के लिए खुले में टॉयलेट करना बेहद शर्मिंदगी वाली बात है, महिला स्टॉफ ने जिले के आला अधिकारियों से छात्र और छात्राओं एवं महिला स्टॉफ के लिए तत्काल शौचालय की व्यवस्था कराने की मांग की है

इनका कहना

मुझे जानकारी मिली है अगर यह बात सही है तो बेहद शर्मनाक है, में स्कूल का निरीक्षण करुंगी, महिला और पुरूष स्टॉफ सहित छात्र छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था तत्काल कराई जाएगी
मधु शर्मा सहायक संचालक एवं खंड शिक्षा अधिकारी श्योपुर

शौचालय में ताला मेंने नहीं डाला है पूर्व से डला हुआ है उसकी चाबी पूर्व हैडमास्टर के पास है, पुराने शौचालय में सफाई कराने या मेंटेनेंस का पैसा संस्था में नही है, पुराना अनुपयोगी भवन में पुरा स्टॉफ टॉयलेट करता है
कमलजीत सिंह सिसोदिया शाला प्रभारी

जातिसूचक गालियां देकर मारपीट करने वाले दोषी को छह माह का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

गांव में चुनावी रंजिश के चलते अनुसूचित जाति वर्ग के एक व्यक्ति से जातिसूचक गालियाँ देकर मारपीट करने वाले आरोपी को विशेष न्यायालय श्योपुर ने छह माह के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। यह फैसला 11 जुलाई 2025 को पारित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने थाना गसवानी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 अगस्त 2022 को सुबह करीब 10 बजे वह विमल शर्मा की दुकान के पास खड़ा था, तभी गांव का ही पंजाब यादव वहां पहुंचा और चुनावी रंजिश के चलते उसे जातिसूचक गालियाँ देने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने डंडे से हमला कर दिया, जिससे पीड़ित के दाहिने हाथ की कोहनी और अन्य जगहों पर चोटें आईं। पीड़ित की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए और बीचबचाव किया। जाते-जाते आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी।

थाना गसवानी पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना के बाद आरोपी के विरुद्ध विशेष न्यायालय श्योपुर में अभियोगपत्र प्रस्तुत किया। विचारण उपरांत न्यायालय ने आरोपी पंजाब यादव पिता सिपाही यादव निवासी हीरापुरा को भारतीय दंड संहिता की धारा 323 एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(5-A) के तहत दोषी पाया।

राज्य की ओर से प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र जाधव द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

वीरपुर की कमान भारत को, राजन सिंह होंगे कराहल थाना प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जिले में पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से श्योपुर एसपी वीरेंद्र जैन ने बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को जारी आदेश के तहत कराहल और वीरपुर थानों के थाना प्रभारियों को बदला गया है।

एसपी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, अब टीआई राजन सिंह गुर्जर को कराहल थाना की कमान सौंपी गई है। वहीं, टीआई भारत सिंह गुर्जर को वीरपुर थाना प्रभारी के रूप में पदस्थ किया गया है। दोनों ही अधिकारियों को जल्द से जल्द कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस विभाग में इन तबादलों को क्षेत्रीय अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। कराहल और वीरपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में इन अनुभवी प्रभारियों की तैनाती से अपराधों पर नकेल कसने और आम जनता में विश्वास बढ़ाने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि आने वाले दिनों में जिले के अन्य थानों में भी फेरबदल संभव है, ताकि पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

1 लाख 8 हजार 597 बहनों के खातों में डाले गए साढ़े 13 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश की 1.27 करोड महिलाओं के खातों में लाडली बहना योजना की 26वीं किश्त के रूप में 1250 रूपए 1503 करोड 14 लाख रूपए की राशि उज्जेन में हुए कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक योजना के माध्यम से डाली, श्योपुर जिले में भी जिले की 1 लाख 8 हजार 597 लाडली बहनाओं के खातों में भी इस योजना के तहत 13 करोढ 57 लाख 38 हजार 750 रूपए डाले गए हैं।

उज्जेन में हुए कार्यक्रम में जिले के अधिकारी एनआईसी के माध्यम से जुडे रहे जिला पंचायत सीईओ एवं डिप्टी कलेक्टर अतेंद्र सिह गुर्जर ने बताया कि श्योपुर जिले की 1 लाख 8 हजार 597 बहनों के खातों में साढे 13 करोड रूपए की राशि 26वी किश्त के रूप में प्राप्त हो चुकी है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफलिंग की 26 करोड 34 लाख की राशी भी महिलाओं के खातों में डाली जा रही है इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ यादव ने लाडली बहनों को रक्षाबंधन का उपहार 250 रूपए राखी शगुन के रूप में अलग से भेजने का वादा भी किया है। इस दौरान महिला बाल विकास अधिकारी महेंद्र सिंह अंब, महिला सशक्तिकरण अधिकारी रिशु सुमन मौजूद रहे।

श्योपुर में बाइक चोरी की वारदात व्यापारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर शहर के वार्ड क्रमांक 17 गणेश गली निवासी सुनील कुमार अग्रवाल की बाइक दुकान के सामने से चोरी हो गई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि वह रेडीमेड कपड़ों की दुकान संचालित करते हैं और रोज की तरह 6 जुलाई को सुबह लगभग 8 बजे अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक MP31 ZC 3586) को गुलंबर स्थित दुकान के सामने खड़ी कर अंदर चले गए।

शाम करीब 7 बजे जब वे दुकान बंद कर बाहर आए, तो उनकी मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली। उन्होंने आसपास और बाजार में काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कुछ पता नहीं चला। बाइक की अनुमानित कीमत करीब 40,000 बताई गई है।

व्यापारी ने इस मामले की रिपोर्ट श्योपुर पुलिस थाने में दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला कायम कर जांच शुरू कर दी है। शहर में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं से आमजन में चिंता का माहौल है।

कलेक्टर अर्पित वर्मा मंगलवार को विजयपुर में करेंगे जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टरअर्पित वर्मा मंगलवार 15 जुलाई को विजयपुर में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई कार्यक्रम जनपद कार्यालय विजयपुर के सभागार में दोपहर 11 बजे से आयोजित होगा। कलेक्टर वर्मा द्वारा जनसुनवाई करते हुए आवेदनों का निराकरण किया जायेगा। श्योपुर जिला मुख्यालय से विजयपुर की दूरी को दृष्टिगत रखते हुए तथा आमजन को सुविधा के साथ उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए मंगलवार को विजयपुर में जनसुनवाई आयोजित की गई है। कलेक्टर वर्मा ने सभी जिला अधिकारियों को उक्त जनसुनवाई के दौरान विजयपुर में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। जारी आदेश के अनुसार श्योपुर जिला मुख्यालय पर भी पूर्ववत प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई कार्यक्रम रहेगा।

ट्रांसफर होना शासकीय सेवा में व्यवस्था के लिए जरूरी: साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शासकीय सेवा में व्यवस्थाएं बनाने के लिए स्थानांतरण जरूरी प्रक्रिया है, इस प्रक्रिया का पालन हर शासकीय सेवक को करना होता है, हालांकि हम जिस संस्था से जुडे होते है उससे बिछुडने का गम जरूर होता है लेकिन प्रशासनिक व्यवस्थाओं का सम्मान भी जरूरी है यह बात शनिवार को योग शिक्षक दिनेश साहू प्राथमिक स्कूल इंद्रापुरी का सहराना में उनके ट्रांसफर पर स्टॉफ और विद्यार्थियों द्वारा दी गई विदाई पार्टी के दौरान संबोधन देते हुए कही

हाल ही में सरकार द्वारा अपनाई गई ट्रांसफर प्रक्रिया में योग शिक्षक दिनेश साहू का प्राथमिक स्कूल इंद्रापुरी सहराना से प्राथमिक स्कूल गोपालपुरा किया गया था, मिलनसार प्रव्रति के शिक्षक दिनेश साहू को ट्रांसफर से विद्यार्थी भावुक हो गए जिन्हें उन्होंने बढे प्यार से समझाते हुए शासकीय सेवा में ट्रांसफर की जरूरत को बताया इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधा रोपा इस दौरान बीआरसी हरिशंकर बाथम, सीएसी दीनदयाल जागा, किशोर कुमार माहौर, महावीर कुमार, यूनूस खान, शाला प्रभारी कन्हैयालाल राठोर, सुग्रीव आदिवासी, प्रेम सिंह,ब्रजेश सुमन आदि उपसिथत रहे

पर्यटन विभाग के माध्यम से जिले को उपलब्ध कराई कई सौगातों पर नहीं प्रशासन का ध्यान

पर्यटक सुविधाओं में लापरवाही का दंश भोगता श्योपुर जिला, प्राकृतिक संसाधन करा रहे मनोरंजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना अब सिर्फ़ कूनो और चीतों तक सीमित रह गई है। दूसरे पर्यटक स्थलों को विकसित करने के बारे में तो चीते आने के बाद शायद सबने सोचना ही छोड़ दिया है। जबकि पर्यटन विभाग द्वारा जिले में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए कई सौगातें दिलाई गई, लेकिन उपेक्षा के चलते यह सौगातें अपने असल मकसद में कामयाब नहीं हो सकी।

पर्यटक स्थल बंजाराडैम

चंबल सफारी के साथ बंजाराडैम को भी चंबल सर्किल में शामिल कराया था। तब मप्र पर्यटन विभाग ने बंजाराडैम ने विश्रामगृह, रेस्टोरेंट सहित नौकायान सुविधा विकसित कर नगरपालिका को इसके संचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। करीब एक करोड़ रूपए लागत से शुरू हुई यह योजना विगत दो-तीन सालों में दम तोड़ गई। इस योजना के पीछे उद्देश्य से चंबल सफारी के माध्यम से पर्यटकों को श्योपुर लाना था, लेकिन यह योजना अपने असल मकसद में कामयाब ही नहीं हो सकी।

पर्यटक स्थल कूनो सायफन

वीरपुर के पास स्थित कूनो सायफन इंजीनियरिंग की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण स्थल है। एशियाई की सबसे बड़ी भूमिगत नहर के अद्भूत डिजाइन को देखने के लिए देश-विदेश से इंजीनियर और सैलानी यहां पहुंचते हैं। जंगल के बीचोंबीच स्थित इस स्थान को पर्यटक दृष्टि से विकसित करने के लिए मप्र पर्यटन विभाग ने वहां पर रेस्टोरेंट एवं विश्रामगृह बनवाया था, लेकिन यह शुरू होने से पहले ही टूट-फूट गया।

नमाज पढ़ने तक ही सीमित रही ईदगाह की पर्यटक व्यवस्था

शहर में पार्क जैसे स्थलों की कमी दूर करने के उद्देश्य से मप्र पर्यटन विभाग ने ईदगाह को भी पर्यटक स्थल बनाने के लिए 35 लाख रूपए खर्च कर सजाने-संवारने का काम पहले चरण में किया था। इसके बाद इस स्थल पर जिम्मेदारों की अरूचि के चलते यह स्थल पर्यटक स्थल के रूप में विकसित नहीं हो सका और मप्र पर्यटन विभाग ने दूसरे चरण के लिए वहां राशि नहीं दी और न ही राशि की मांग जिम्मेदारों द्वारा की गई।

रामेश्वर धाम पर घोषण तक सीमित रहा पर्यटन तीर्थ

जैनी-मानपुर स्थित त्रिवेणी संगम रामेश्वरघाट पर मप्र पर्यटन विभाग ने विश्रामगृह सहित सैलानियों को लुभाने के लिए कई निर्माण कराने की घोषणा की थी। यह स्थल चंबल सफारी के मुख्य स्टेशन के रूप में भी चिन्हित किया गया था। इस स्थान पर हर वर्ष कार्तिक अमावस्या पर मेला आयोजित होता हैं इसलिए पर्यटन विभाग ने इस स्थल को पर्यटन तीर्थ का नाम भी दिया था, लेकिन यह सब कवायद सिर्फ नामकरण तक ही सीमित रही।

प्राकृतिक धरोहर ही मुख्य पर्यटक स्थलभले ही मप्र पर्यटन विभाग करोड़ों रूपए खर्च कर जिले में पर्यटक स्थलों को विकसित करने का काम कर रही हो, लेकिन जिले में प्राचीन और प्राकृतिक धरोहर ही आज भी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं। इनमें गौरस-वीरपुर रोड पर स्थित डोब कुंड, कराहल के जंगल स्थित देव खो सहित कई जंगली नदियों पर बारिश में लगने वाला मेला हैं, जिनमें नक्क्षा बालाजी, मोरडूंगरी, भूरीभाट घाट, आवदा डैम आदि प्रमुख है।

जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर पहुंचे श्योपुर, आवदा डैम का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जल संसाधन विभाग के इंजीनियर इन चीफ विनोद कुमार देवडा ने शनिवार को श्योपुर पहुंचकर आवदा बांध का निरीक्षण किया। ओर डैम के मेंटेनेंस के लिए पूर्व से स्वीकृत 13 करोड रुपए का उपयोग कब कैसे हो इस पर चर्चा की।

ईएनसी देवडा द्वारा आज डैम सेफ्टी की टीम के साथ आवदा बांध पहुंचकर बांध का निरीक्षण किया गया तथा बांध की मजबूती का तकनीकी आंकलन किया। इस दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चौहान ने जानकारी दी कि अधिकारियों एवं तकनीकी दल द्वारा जांच की गई है, उन्होने बताया कि आवदा बांध के क्रेक काफी पुराने है, जिन से फिलहाल कोई गंभीर स्थिति नही है। उन्होने बताया कि बांध की मरम्मत के लिए 13 करोड रूपये का प्रस्ताव भेज दिया गया है, जिसे स्वीकृत करने की प्रक्रिया की जा रही है, आगामी समय में राशि स्वीकृत होने पर बांध की मरम्मत का कार्य कराया जायेगा। इसके साथ ही बांध पर निगरानी के लिए टीम नियुक्त की गई है।

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से युवक घायल एफआईआर दर्ज

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट अंतर्गत ग्राम तेरई निवासी पिरनिया कुशवाहा पत्नी स्व. तुलसी ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 4 जुलाई को शाम करीब साढ़े सात बजे उसका भाई सुखलाल कुशवाहा पुत्र हरिया उसके घर के सामने दुकान से सौदा लेकर पैदल वापस आ रहा था, तभी मोटर साइकिल संख्या यू.पी. 94 जेड 8198 के चालक ग्राम राधापुर निवासी हेमंत लोधी पुत्र वी.दयाल ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुये उसके भाई को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सुखलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से सुखलाल को घायलावस्था में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालबेहट में भर्ती कराया गया, जहां से उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल भेजा गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने उक्त बाइक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बाइक की टक्कर से टूटी उंगली एफआईआर दर्ज

ललितपुर। थाना पाली क्षेत्रांतर्गत निवासी आशीष कुमार सोनी पुत्र सत्यनारायण ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 15 मई को अपराह्न करीब 1 बजे वह अपन कार्य से मोटर साइकिल से ललितपुर आ रहा था। तभी ग्राम घटवार के पास मोटर साइकिल के चालक संतोष कुमार पुत्र मुन्नालाल ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुये उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके हाथ की उंगली टूट गयी। पुलिस ने उक्त बाइक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जेवरात व नकदी लेकर पत्नी प्रेमी के साथ भागी, जांच शुरू

ललितपुर। शहर क्षेत्रांतर्गत चौकी नई बस्ती में ग्रामसभा कुंआ के पास गांधीनगर निवासी आशु पुत्र अशोक वर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसका विवाह बीते माह फरवरी 2025 की 24 तारीख को मध्य प्रदेश के जिला शिवपुरी अंतर्गत थाना पिछोर के मोहल्ला नरईयापुरा निवासी संतोष की पुत्री निशा के साथ पूरे हिन्दू रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न हुआ था। शादी में उसका करीब 45 लाख रुपये खर्च हुआ था। शादी के समय उसने 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, सोने की करधौनी, सोने का हार, सोने का मंगलसूत्र, सोने की चार चूड़ी, सोने का बीजा सेन, सोने का बाजूबंद, डायमण्ड की अंगूठी, चांदी की पायलें पत्नी को चढ़ावा में दिये थे। बताया कि 22 जून को सुबह करीब 9 बजे उसकी पत्नी निशा चुपचाप सारे जेवरात बैग में रखकर मोटर साइकिल पर आकाश होटल के पीछे रहने वाले राहुल शर्मा पुत्र मदनमोहन शर्मा एवं पिछोर थाना क्षेत्र के रहने वाले दीपू राजपूत के साथ चली गयी। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसकी पत्नी की कोई जानकारी नहीं मिल सकी। जानकारी मिलने पर उसे पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी राहुल शर्मा के साथ निवासरत है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने राहुल शर्मा व दीपू राजपूत के साथ-साथ उसकी पत्नी निशा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

3 साल की अपाहिज बालिका रेलवे स्टेशन पर लावारिश मिली

अशोकनगर। अशोकनगर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 01 पर ओवरब्रिज के नीचे एक बालिका जिसकी उम्र 3 से 4 वर्ष के बीच में है वह लावारिश स्थिति में मिली है। बालिका एक पैर से दिव्यांग है। इसकी सूचना मिलने के बाद जीआरपी के थाना प्रभारी लखनसिंह रघुवंशी द्वारा रेलवे स्टेशन पर माईक द्वारा कई बार यह बताया गया कि 3 वर्ष की बालिका स्टेशन पर अपने माता-पिता का इंतजार कर रही है। लेकिन बालिका को लेने कोई नहीं आया जिसके बाद जीआरपी पुलिस उक्त बालिका को दीक्षा शिशु गृह ले गई। पुलिस को और दीक्षा शिशु गृह को उक्त बालिका के परिजनों की तलाश है।

वन टीम ने सुबह 8 बजे अमिक्रमणकारियों पर ताबड़ तोड़ कार्रवाई की

दबंगों से 275 बीघाभूमि मुक्त कराई खंतियां कर बोए खैर, बबूल के बीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

दबंगों से 275 बीघा वन भूमि मुक्त कराकर, वन टीम ने खंतियां खोद कर वन भूमि में खैर, बबूल सहित अन्य प्रजातियों के पौधों के बीज बोए हैं अमिक्रमण हटाने की कार्रवाई वन टीम ने दल-बल के साथ तड़के सुबह 8 बजे से ही पहुंचकर अमिक्रमणकारियों पर ताबड़ तोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान न केवल आम आदमी बल्कि रसूकदारों को भी नहीं बख्सा है। गौरतलब यह है कि अमिक्रमण कार्रवाई के दौरान वन विभाग अधिकारी-कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ राजस्व टीम भी मौजूद रहे। इस कार्रवाई के दौरान दबंगों से वन भूमि मुक्त कराकर इस भूमि में जेसीबी के माध्यम से खंतियां खोदकर खैर व बबूल सहित अन्य प्रजातियों के बीज बोए गए। खासबात यह रही कि अतिक्रमण के दौरान इतना वन अमला व पुलिस बल तैनात रहा कि दबंग विरोध करने का साहस भी नहीं जुटा सकें। वहीं पुलिस दल-बल के साथ दबंगों से वन भूमि मुक्त कराने की कार्रवाई दिन भर जारी रही। इस दौरान न केवल दबंगों से मुक्त कराई जमीन की बाउंड्रीवॉल व बागड़ आदि को नष्ट किया गया।

9 जेसीबी चलाकर खोदी खंतियां, बोए बबूल व खैर के बीज

वन टीम द्वारा 9 जेसीबी सहित अन्य संसाधनों के साथ पहुंचकर वन भूमि से दबांगों को बेदखल किया गया। इस दौरान वन क्षेत्र में अतिक्रमणरोधी खंतियां खोदी गई। तथा जमीन में खैर, बबूल, प्रोसोपिस इत्यादि प्रजातियों के बीजों की बुवाई की गई। अतिक्रमणमुक्त कराई गई वन भूमि पर भविष्य में वृक्षारोपण कार्य कराया जाएगा। वनमण्डलाधिकारी, वनमण्डल जिला शिवपुरी की अतिक्रमणकारियों से कहा है कि वे स्वेच्छा से वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करें एवं वन तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करें। साथ ही भविष्य में वन भूमि पर अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही करते हुए अतिक्रमित वन भूमियों को सतत रूप से कार्यवाही कर मुक्त कराया जाएगा। यह कार्रवाई डीएफओ सुधांशु यादव के मार्गदर्शन में माधव सिंह सिकरवार रेंजर सतनवाड़ा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व करैरा सहित बड़ी संख्या में वन टीम व पुलिस बल द्वारा की गई।

इन रसूखदारों से कराई 275 भूमि वन भूमि मुक्त

वन परिक्षेत्र सतनवाडा में माधव सिकरवार वन परिक्षेत्राधिकारी वन परिक्षेत्र सतनवाडा द्वारा वन विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं ग्राम वन समिति के सदस्यों, सुरक्षा श्रमिकों को साथ रखकर बीट ठाठी के कक्ष क्रमांक आर एफ 481, 482 एवं पीएफ 913 ग्राम बीलोनी में दबंग बल्लू सिकरवार, पंजाब सिंह गुर्जर, प्रांण सिंह गुर्जर, शशुपाल सिंह चौहान द्वारा अवैध रूप से वन भूमि पर बागड, पत्थर की दीवार, जेसीबी द्वारा खाई सीपीटी द्वारा हदबंदी कर लगभग 275 बीघा वन भूमि पर किये गये अवैध अतिक्रमण को वन अमले, द्वारा संयुक्त दल बनाकर मौके से अतिक्रमणकारियों को बेदखल कर वन भूमि को वन विभाग के आधिपत्य में लिया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान बल्लू सिकरवार निवासी ग्राम बीलोनी से 140 बीघा, पंजाब सिंह गुर्जर, प्रांण सिंह गुर्जर से 80 बीघा तथा शिशुपाल सिंह चौहान से 55 बीघा इस प्रकार कुल 275 बीघा वन भूमि पर अवैध रूप से बागड लगाकर खेती की जा रही थी। जिसे 09 जेसीवी मशीनों द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई पत्थर की दीवारों को ध्वस्त किया गया।

इनका कहना है

हमने आज दलबल के साथ पहुंचकर नरवर के ग्राम बीलौनी से ढाईसौ से तीन सौ बीघा जमीन को अमिक्रमणकारियों से मुक्त कराया है। इसी तरह हमने अन्य जगाहों को भी चिन्हत किया है। इसी प्रकार कोलारस-बदरवास सहित अन्य क्षेत्रों में भी कार्रवाई की जाएगी।

सुधांशु यादव, डीएफओ शिवपुरी

संगठन सृजन कार्यक्रम

कांग्रेस ने बनाए ब्लाक महरौनी मड़ावरा में मंडल अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंडल अध्यक्ष बनाये जाने है जिला कांग्रेस कमेटी और जिला प्रभारी कुंवर मुकुट सिंह एवं जिला अध्यक्ष डॉक्टर दयाराम नगर अध्यक्ष रामनरेश दुबे जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह चंदेल के नेतृत्व में महरौनी और मड़ावरा मैं बैठकर संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए मुकुट सिंह ने कहा कि हर 15 बूथ से 25 बूथ तक एक मंडल अध्यक्ष बनाया जाएगा जिसमें मंडल अध्यक्ष को कांग्रेस शक्तियां प्रदान करेगी और उसे अपनी कमेटी बनाने का अधिकार होगा और बूथ कमेटियों को भी बनाएगा बूथ कमेटी के साथ-साथ हर बूथ पर बी एल ए 1 और बी एल ए 2 भी बनाया जाएगा और हर ग्राम में कमेटियों का गठन किया जाएगा जिसमें महरौनी प्रभारी जिला उपाध्यक्ष जिनेंद्र जैन जिला महासचिव बृजेश मिश्रा सचिव रामदेवी ब्लॉक अध्यक्ष रतिराम कुशवाहा एडवोकेट नगर अध्यक्ष राकेश सेन की मौजूदगी में बैठक हुई जिसमें सभी कार्यकर्ताओं की सर्वसम्मति से चतुर्भुज सिंह संतोष झा अजय पाल सिंह उत्तम सिंह पूरन सिंह चंदेल अमोल सिंह कुशवाहा रघुवीर सिंह बुंदेला बृजेश रजक को मंडल अध्यक्ष चुना गया और सबको बधाइयां दी गई वही दूसरी ओर संगठन सर्जन के मड़ावरा में प्रभारी जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बुंदेला जिला महासचिव मुन्नालाल चंदेल ब्लॉक अध्यक्ष दीवान पुष्पेंद्र सिंह बैठक संपन्न हुई जिसमें संदीप सिंह सुनील भागीरथ ब्रजकिशोर संजीव राजेंद्र सिंह गगन कुमार को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया। इस मौके पर डॉक्टर देवेंद्र सेठ जाहर सिंह बघेल सूर्य प्रताप सिंह जमींदार अखिलेश मलैया रवि राजा राम अभिलंब त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

प्रशासन सतर्क, पानी कम होने के बाद ही रास्ता फिर से खोला जाएगा

भारी बारिश से डूबा कुचलौन रपटा, रोका आवागमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दिनारा

शिवपुरी के दिनारा-पिछोर मार्ग पर कुचलौन रपटा शनिवार को भारी बारिश के कारण पानी में डूब गया। पानी का बहाव बहुत तेज हो गया है, जिससे इस रपटे से होकर गुजरना खतरनाक हो गया है। लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग और वाहन चालक लापरवाही करते हुए जान जोखिम में डालकर रपटा पार करते नजर आए। प्रशासन को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, दिनारा पुलिस मौके पर पहुंच गई और रपटे पर लोगों की आवाजाही पूरी तरह बंद कर दी गई, ताकि कोई हादसा न हो। अब रपटे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। प्रशासन का कहना है कि जब तक पानी का बहाव सामान्य नहीं हो जाता, तब तक रास्ता बंद रहेगा। पानी कम होने के बाद ही रास्ता फिर से खोला जाएगा। गौरतलब है कि हर साल बारिश के

समय यह रपटा पानी में डूब जाता है, जिससे रास्ता बंद हो जाता है। लेकिन फिर भी लोग जोखिम उठाकर इसे पार करने की कोशिश करते हैं।

ग्रामीणों ने मुख्यालय में दिया ज्ञापन, प्राइमरी विद्यालय को दूसरे गांव में विलय न करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

सरकार ने प्रदेश भर के करीब पांच हजार से अधिक प्राईमरी विद्यालयों को विलय करने का आदेश दिया है, जिसके क्रम में कार्यवाही भी शुरू है। इसी क्रम में ललितपुर के भी करीब ढ़ाई सौ से अधिक विद्यालय विलय की जद में है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत नकवाना के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, बेसिक शिक्षा विभाग को संबोधित एक ज्ञापन भेजकर प्राथमिक विद्यालय का विलय न किये जाने की मांग उठायी है। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत बरखेरा के ग्राम नकवाना में प्राथमिक विद्यालय में संसाधन अधिक हैं, जबकि सेवनी कलां में सिर्फ 2 कमरे हैं। फिर भी नकवाना के विद्यालय को सेवनीकलां के प्राथमिक विद्यालय में विलय करने की सूचना मिल रही है,

जबकि ग्रामीणों के लिए नकवाना के अलावा किसी दूसरे विद्यालय में जाने के लिए कोई सही मार्ग या संसाधन नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि सेवनी कलां जाने के लिए मार्ग में नाला पड़ता है जो कि असुरक्षित है एवं कुंआ आदि पड़ते हैं, जिससे यह मार्ग बच्चों के लिए भी सुरक्षित नहीं है। आगे बताया कि उक्त सेवनी कलां के विद्यालय की दूरी करीब 7 किमी दूर है। इस कारण बच्चों की शिक्षा पर गहरा असर पड़ेगा और नाला, कुंआ आदि पडने से घटनाओं के बढने का अंदेशा बना रहेगा। ग्रामीणों ने बच्चों के भविष्य को देखते हुये मांग उठायी है। ज्ञापन में जगतपाल, सुरेन्द्र, चन्द्रपाल, रामकुमारी, सचिन, नेहा, हम्मीर, रामअवतार, भागीरथ, लालसिंह, महेश, रामेश्वर, शोभाराम, जहान सिंह आदि मौजूद रहे।

---

50 साल पुरानी पानी की टंकी नहीं तोड़ी

कार्रवाईः 29 जर्जर मकान चिन्हित, 6 को तुड़वा दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

राजस्व एवं नगर पालिका के द्वारा शहर में कराए गए जर्जर भवनों के सर्वे में कुल 29 मकान जर्जर पाए गए। जिसमें से अब तक 6 जर्जर भवनों को तुड़वाया जा चुका है। शेष 23 भवनों पर कार्रवाई की जा रही है। इन मकान मालिकों को जर्जर भवनों को तोड़ने के लिए नोटिस दिए जा चुके है, जिनकी भी समय अवधि बीत चुकी है। वहीं शास्त्री वार्ड में नपा की जर्जर खाली पड़ी 50 साल पुरानी पानी की टंकी खडी हुई है। जिस पर राजस्व एवं नपा के अधिकारियों का ध्यान नहीं है।

2 लाख गैलन की अनुउपयोगी टंकीः जानकारी अनुसार 2 लाख गैलन की क्षमता वाली पानी की टंकी जो करीब 50 पुरानी है। टंकी पिलर से लेकर ऊपरी हिस्सा तक जर्जर है। टंकी से लोहे की रॉड दिखाई देने लगी है। जगह-जगह टंकी से सीमेंट का मसाला गिरने लगा है। टंकी जर्जर होने के कारण करीब आठ साल पहले टंकी की सप्लाई बंद कर पास ही बनाई गई। नई टंकी से वार्डों में जल सप्लाई शुरू कर दी गई थी। तभी से यह जर्जर टंकी अनुउपयोगी खड़ी हुई है। लेकिन आज दिनांक तक न तो इसे तोड़ा गया है। न ही टंकी के आसपास क्षेत्र को प्रतिबंधित किया गया है। जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

एक तरफ रेलवे लाइन दूसरी तरफ स्कूल

जिस स्थान पर यह पानी की टंकी खड़ी है। उसकी कुछ दूरी पर उत्कृष्ट माध्यमिक शाला है। दूसरी और बीना-सागर रेलवे लाइन है। रहवासी क्षेत्र भी है। टंकी के पास लोग यहां बैठे रहते है और बच्चे खेलते रहते है। जर्जर टंकी के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में एसडीएम विजय डहरिया का कहना है कि मैं इस को दिखवाता हूं। वहीं प्रभारी विवेक राजपूत ने बताया कि जो भी जर्जर भवनों को नहीं तोड़ा गया है। उन मकान मालिकों को भवन जल्द से जल्द तोड़ने के लिए नोटिस दिए गए है।

एसडीएम रामपुर पहुंचे साफ-सफाई का किया निरीक्षण

अधिकारियों ने रामपुर गांव में ग्रामीणों के साथ किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

ग्राम पंचायत रामपुर का एसडीएम विजय डहरिया ने भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना। शासकीय भवनों का निरीक्षण कर ग्राम की साफ सफाई का जायजा लिया। साथ ही ग्राम में पौधरोपण किया। जानकारी अनुसार शनिवार को एसडीएम विजय डहरिया ने ग्राम पंचायत रामपुर का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। एसडीएम ने ग्राम में जल भराव की स्थिति, शासकीय शाला भवन, आंगनबाड़ी केंद्र के भवनों का जायजा लिया। इसके अलावा पूर्व में फैली गंदगी का सफाई होने के बाद का भी निरीक्षण किया। एसडीएम ने ग्राम के समग्र विकास के लिए साथ में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों से सामूहिक चर्चा कर आवश्यक सुधारों और

समन्वित कार्य प्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर एसडीएम डहरिया ने ग्राम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अवधेश राय, आंगनबाड़ी परियोजना अधिकारी प्रभा चतुर्वेदी सहित मौजूद अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीणों के साथ पौधरोपण किया।

मेरा सपना गांव को आदर्श गांव बनाना

इस मौके पर एसडीएम डहरिया ने बताया कि मेरा सपना गांव को आदर्श गांव बनाना है। पूर्व में किए गए निरीक्षण में जो कमियां सामने आई थी उनका निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि बारिश के बाद स्कूल भवन पर पेंटिंग कराई जाएगी। साथ ही गांव को सुंदर बनाया जाएगा। एसडीएम ने सभी विभागों से सहयोगात्मक कार्यशैली अपनाने की अपील करते हुए कहा कि ग्राम के विकास में जन सहयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी विभाग के अधिकारी कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन शामिल हुए।

जमीन पर से खड़ी बाउंड्री को तोड़ने का आरोप लगाया

ललितपुर। सिटी चौकी के मोहल्ला तालाबपुरा में रहने वाले मनोज कुमार जैन सराफ पुत्र महेन्द्र कुमार जैन ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसकी जमीन संख्या 2504 तालाबपुरा में स्थित है, जिस पर करीब 10 वर्ष पहले से जिलाधिकारी के आदेश से टीम बनाकर लेखपाल, कानूनगो, नायब तहसीलदार आदि ने पुलिस अभिरक्षा में नाप-जोख करायी गयी थी और नाप के अनुसार प्रशासन ने मौके पर बाउंड्री करवायी थी। आरोप है कि उक्त जमीन पर तालाबपुरा के ही कृपाल सिंह यादव, राजेश यादव पुत्रगण भागीरथ यादव, पप्पू यादव पुत्र मुलायम सिंह, विक्रम सेन पुत्र कंछेदीलाल सेन, आकाश सेन पुत्र गंगाराम सेन ने 10 जुलाई की रात करीब 1 बजे जमीन की बाउंड्री तोड़ दी। पीड़ित के अनुसार पूर्व में भी दो बार बाउंड्री तोड़ी गयी है, जिसकी सूचना समय-समय पर कोतवाली पुलिस को दी गयी। बीती रात उक्त लोगों ने गल्ला व्यापारी अशोक जैन अनौरा की जमीन में भी अवैध जबरन तार फैन्सिंग कर टपरा डाल है। जब उसके चौकीदार विजय राजपूत ने उक्त लोगों को बाउंड्री तोडने से मना किया तो चौकीदार को जान से मारने की धमकी देते हुये गालियां दी और सब्बल से बाउंड्री तोड़ दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

चालक कहते हैं पैसे देने से मना करते हैं तो वाहनों को घंटों रोका जाता है

चेकपोस्ट पर वाहनों से एक से दो हजार तक वसूली

हरिभूमि न्यूज ⏭ करैरा

जिले में स्थित सिंकदरा परिवहन चेकपोस्ट अब ट्रक चालकों के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। यह चेकपोस्ट, जिसे वाहनों की जाँच और परिवहन नियमों को लागू करने के लिए बनाया गया था। अब चेकपोस्ट प्रभारी अशोक शर्मा के नेतृत्व में अवैध वसूली का केंद्र बन चुका है। ट्रक चालकों से दिन-रात जबरन पैसे वसूलते हैं। सुबह, दोपहर, और रात, हर समय प्रति ट्रक कम से कम 1000 रुपये की वसूली हो रही है। बिना किसी रसीद या वैध दस्तावेज के। यह राशि चालकों पर भारी पड़ रही है। कई चालकों ने बताया कि अगर वे पैसे देने से मना करते हैं, तो उन्हें धमकियाँ मिलती हैं, और उनके वाहनों को घंटों रोका जाता है। एक चालक, रामेश्वर सिंह,

ने कहा हम दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन यह लूट हमारी कमाई छीन रही है। यह चेकपोस्ट अब डाकुओं का अड्डा बन चुका है। इस तरह की गुंडागर्दी ने न केवल चालकों का जीना मुहाल कर दिया है, बल्कि परिवहन व्यवसाय को भी गहरे संकट में डाल दिया है।

परिवहन विभाग की साख पर बट्टा लग रहा

मध्य प्रदेश सरकार ने कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अवैध वसूली की शिकायतों के चलते कई परिवहन चेकपोस्टों को बंद करने का फैसला लिया था। यह कदम सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा था। चालकों का कहना है कि यह अवैध वसूली उनके व्यवसाय को ठप करने की कगार पर ले आई है। एक चालक, मुकेश कुमार ने कहा, हमारी कमाई का बड़ा हिस्सा इस चेकपोस्ट पर लुट रहा है। अगर यही हाल रहा, तो हमारा व्यवसाय खत्म हो जाएगा। यह स्थिति परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठा रही है। मध्य प्रदेश सरकार की छवि को भी धूमिल किया है। स्थानीय लोग और चालक इस बेलगाम भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्से में हैं और जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की माँग कर रहे हैं।

इनका कहना हैः 12 जुलाई से हमने शासन के निर्देशन में सिकंदरा वैरीयर पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई शुरू कर दी है। रही बात बसूली की तो यहां आस-पास के कुछ दलाल टाइप के लोग सक्रिय हैं, जो चालकों से इस तरह की हरकत करतें हैं। इसकी हमनें पुलिस थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है।
अशोक शर्मा, ट्रांसपोर्ट इस्पेक्टर सिकंदरा बैरियर दिनारा

घंटों का लग रहा जाम

सिंकदरा चेकपोस्ट पर इस अवैध वसूली के कारण हाईवे पर 2-2 किलोमीटर तक लंबे जाम लग रहे हैं। जिससे आम यात्रियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चालकों का कहना है कि वसूली के लिए ट्रकों को लंबे समय तक रोका जाता है। जिससे हाईवे पर ट्रैफिक ठप हो जाता है। कई बार यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।